जपश्च The Gazette of India

EXTRAORDINARY

भाग 🎞 —खण्ड ३ — उप-खण्ड (i) PART II Section 3 Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 778] No. 118]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 78, 2005/फाल्गुन 27, 1926 NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 18, 2005/PRALGUNA 27, 1926

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(पोत परिवडन विभाग)

अधिस्चना

'नई दिल्ली, 18 मार्च, 2005

सा.का.नि. 16 हि अ हे-केन्द्रीय संस्कृत पालिप्य पीत परिपान अधिनियम, 1958 (1958 का 14) की धारा 12 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पोत परिवहन के महानिदेशक को मध्यवर्ती प्राधिकारी के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके अधीन सागरगामियों के तैनाती कार्यालयों के निदेशकों का साधारण नियतन होगा। इस अधिस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से वह अपनी शक्तियों का प्रयोग और अपने कर्ताच्यों का निर्वहन करेगा।

[फर सं. एसआर-11012/7/2004-एमए]

आर के जैन, संयुक्त सम्बद

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

(Department of Shipping) NOTIFICATION

New Delhi, the 18th March, 2005

G.S.R. 181(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 12 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby specifies the Director-General of Shipping as the intermediate authority under whose general control the Directors of semen's employment offices shall exercise their powers and discharge their duties with effect from the date publication of this notification in the Official Gazette.

> [F. No. SR-11012/7/2004-MA] R.K. JAIN, Jt. Secy.